PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Monday 16th November 2015, Page: 17
Width: 16.68 cms, Height: 19.81 cms, a4, Ref: pmin.2015-11-16.43.111

एम्स में खुली 'अमृत' दवा दुकान, 60 पर्सेंट तक कम दाम पर बेची जाएंगी

सस्ती मिलेंगी कैंसर-हार्ट की दवाएं

वरिष्ठ संवाददाता, नई दिल्ली

कैंसर और हार्ट के मरीजों के लिए अच्छी खबर है। एम्स में खुली दवा दुकान 'अमृत' में अब कैंसर और हार्ट की दवाएं 60 पर्सेंट तक सस्ती मिलेंगी। यह दवा कैंसर का हर मरीज ले सकता है। जरूरी नहीं है कि मरीज एम्स का ही हो, लेकिन प्रेस्क्रिप्शन जरूरी है। अमृत में कैंसर के इलाज के दौरान कीमोथेरेपी में यूज होने वाली कुछ दवाओं पर 93 पर्सेंट तक की छूट है।

हेल्थ मिनिस्ट्री द्वारा एम्स में खोली गई इस एफर्डेबल मेडिसिन्स एंड रिलायबल इंप्लांट्स फॉर ट्रीटमेंट (AMRIT) सेंटर में कैंसर की 202 ड्रग्स बेची जाएंगी, जो बाजार दर से 60 पर्सेंट तक सस्ती होंगी। कार्डिएक वास्कुलर डिजीज से जुड़ी 186 दवाएं भी 60 पर्सेंट तक सस्ती होंगी। कार्डिएक इंप्लांट जैसे स्टेंट, पेसमेकर जैसे 148 आइट्म्स पर 50 से 60 पर्सेंट तक छूट दी जाएगी। हेल्थ मिनिस्टर जे. पी. नड्डा ने इस दुकान की शुरुआत करते हुए कहा कि यह पॉयलेट प्रोजेक्ट है। हम 15 दिन में इसका रिव्यू करेंगे। अगर यह सफल रहा तो देश के बाकी सेंट्रल हॉस्पिटल में भी ऐसी दवा दुकान खोली जाएगी।

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड (एचएलएल) को अमृत फार्मेसी को चलाने की जिम्मेदारी दी गई है। अमृत फार्मेसी के अनुसार कैंसर की काबोप्लेटिन 450 मिलीग्राम की एक दवा है, जो बाजार में इस समय 2561.57 रुपये में बिक रही है, लेकिन अमृत फार्मेसी में यह सिर्फ 1316.25 रुपये में बेची जाएगी। यहां पर जेनेरिक और ब्रैंडेड दोनों दवाएं उपलब्ध हैं। हमारा मकसद मरीजों को सस्ती दवा उपलब्ध कराना है।

एम्स के डायरेक्टर डॉ. एम. सी. मिश्रा ने कहा कि दवा दुकान के बाहर डिजिटल बोर्ड लगाया जाएगा। इसमें दवा की लिस्ट के साथ-साथ कीमत भी लिखी रहेगी ताकि मरीज को यह पता चल सके कि बाजार की दवा उन्हें कितनी रेट में दी जा रही है।

राहत की बात...

Photos : Rahul Anand

- मरीज एम्स का या बाहर का भी हो सकता है
- मगर डॉक्टर का प्रेस्क्रिप्शन होना जरूरी है
- कीमोथेरेपी की दवाओं पर 93 पर्सेंट तक छूट
- स्टेंट,पेसमेकर आदि पर भी 50-60 पर्सेंट छूट

एम्स में पहले से जेनेरिक दवा की दुकान चल रही है, जो फ्री है। अमृत सेंटर में दवा फ्री तो नहीं, लेकिन 60 पर्सेंट तक की छूट है। कैंसर की दवा सोमवार से मरीजों को बेची जाएगी। फार्मेसी के एक स्टॉफ ने कहा कि एम्स या बाहर के डॉक्टर अगर जेनेरिक दवा नहीं भी लिखेंगे तो भी मरीज को जेनेरिक दवा दी जाएगी। फार्मेसी में जो दवा जेनेरिक वर्जन में उपलब्ध होगी, पहले वही दवा दी जाएगी। जेनेरिक दवा नहीं होने पर ही ब्रैंडेड दवा दी जाएगी।

एम्स के कैंसर डिपार्टमेंट के चीफ डॉ. जी. के. रथ ने कहा कि निश्चित रूप से अमृत खुलने से मरीजों को काफी फायदा होगा। देश में हर साल कैंसर के 7,00,00 मरीजों का पता चलता है। अधिकतर लोग इलाज में गरीबी रेखा के नीचे पहुंच जाते हैं। ऐसे में अगर 60 पर्सेंट तक दवा में छूट मिल रही है तो यह मरीजों के लिए राहत की बात है। दूसरी ओर, अमृत के खोले जाने की आलोचना भी जा रही है। इसके पहले 53 पर्सेंट छूट पर दवा की दुकान एम्स में खोली गई थी, लेकिन सफल नहीं रही। मरीजों की काफी शिकायतें आईं। बाद में एम्स ने उस दुकान को बंद कर दिया और उनसे भारी मात्रा में रिकवरी भी की।

एम्स के कुछ सीनियर डॉक्टरों का कहना है कि अगर दवा की दुकान ही खोलनी थी तो यह काम एम्स को अपने लेवल पर करनी चाहिए थी। अगर एम्स बल्क में दवा खरीदता है तो उसे 20-25 पर्सेंट सस्ती पड़ती है। ऐसे में एम्स को दवा दुकान को चलाने की जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए थी।

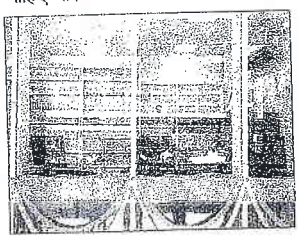

एम्स ट्रॉमा सेंटर में बनेगा हेलिपैड

वस, नई दिल्ली : इमरजेंसी में मरीजों को एयर लिफ्ट कराकर सीधे अस्पताल पहुंचाने के मकसद से एम्स ट्रॉमा सेंटर में हेलिपैड बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को अब डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की तरफ से हरी झंडी मिल गई है। हेल्थ मिनिस्टर जे. पी. नड्डा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर हमारा काम चल रहा है और इसे जल्द से ज़ल्द पूरा किया जाएगा।

एम्स डायरेक्टर डॉक्टर एम. सी. मिश्रा ने कहा कि एम्स ट्रॉमा सेंटर में हेलिपैड बनाने का प्रोजेक्ट पुराना है। इसका मकसद है कि इमरजेंसी में मरीजों को सीधे ट्रॉमा सेंटर के ऊपर उतारा जा सके और उन्हें कम से कम समय में इलाज मिल सके। लेकिन इस रूट पर एयरपोर्ट का रनवे 27 आता है, जिससे यह प्रोजेक्ट डिले हो रहा था। अब हमें डीजीसीए ने परमिशन दे दी है। हम इसके लिए फिर से प्रयास कर रहे हैं और एम्स ट्रॉमा सेंटर में बन रहे नाइट शेल्टर के ऊपर हेलिपैड बनाया जाएगा।

लेकिन डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि अभी इस प्रोजेक्ट में कई और अड़चनें हैं। एयरपोर्ट ऑथिरिटी ऑफ इंडिया और डिफेंस से भी एनओसी लेनी होगी। अभी हमें डीजीसीए की तरफ से केवल ऑपरेशन के लिए अनुमति मिली है, उम्मीद है कि जल्द ही एयरपोर्ट अथॉरिटी और डिफेंस से भी अनुमति मिल जाएगी। 2016 में हम हेलिपैड शुरू होने की उम्मीद है।

outlet at AIIMS to sell cheaper cancer/heart medic
Print